



Pawan Upadhyay



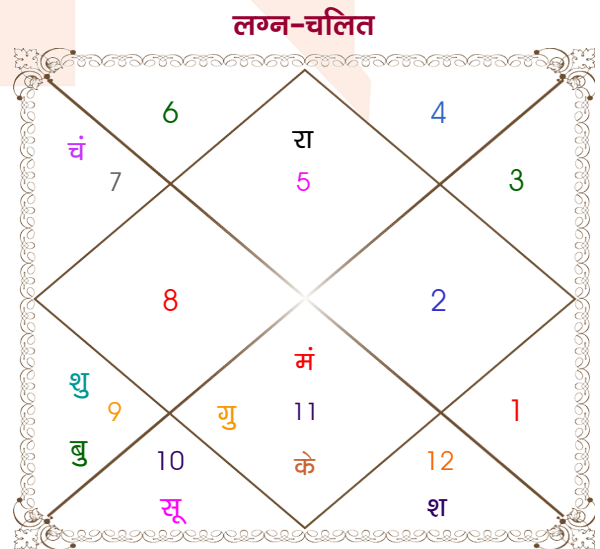
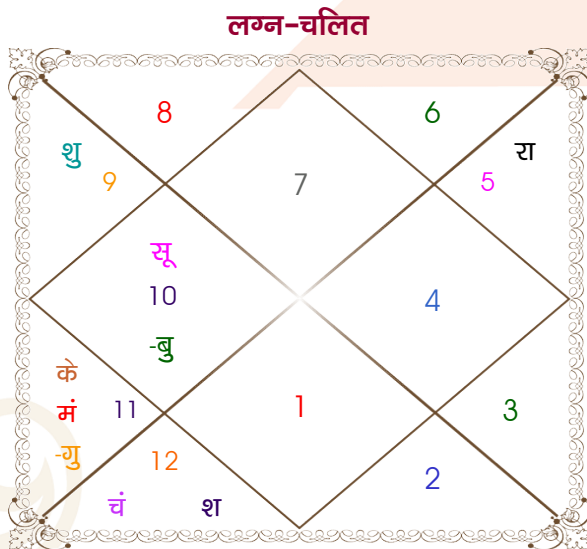
Tara joshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121626104

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 31-01/02/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 22/01/1998
 शनि-रविवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 01:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:00:00 घंटे
 घटी 44:25:23 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 33:39:18 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Bikampur : _____ स्थान _____ : Bikaner
 27:43:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:01:00 उत्तर
 72:12:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 73:22:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:41:12 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:36:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:28:50 : _____ सूर्योदय _____ : 07:28:09
 18:21:29 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:08:14
 23:49:45 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:44

विंशोत्तरी शनि 14वर्ष 7मा 8दि बुध 10/09/2012 10/09/2029		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 5वर्ष 3मा 15दि बुध 09/05/2022 09/05/2039	
बुध	07/02/2015	19:21:05	तुला	लग्न	सिंह	16:26:11	बुध	05/10/2024
केतु	04/02/2016	17:54:24	मक	सूर्य	मक	08:34:37	केतु	02/10/2025
शुक्र	05/12/2018	06:24:56	मीन	चंद्र	तुला	28:55:24	शुक्र	02/08/2028
सूर्य	11/10/2019	11:14:26	कुंभ	मंगल	कुंभ	04:00:13	सूर्य	08/06/2029
चन्द्र	12/03/2021	03:20:48	मक	बुध	धनु	19:38:44	चन्द्र	08/11/2030
मंगल	09/03/2022	05:18:49	कुंभ	गुरु	कुंभ	03:10:42	मंगल	05/11/2031
राहु	25/09/2024	25:09:50	धनु व	शुक्र व	धनु	28:40:02	राहु	24/05/2034
गुरु	01/01/2027	21:35:51	मीन	शनि	मीन	20:56:36	गुरु	29/08/2036
शनि	10/09/2029	16:55:23	सिंह	राहु व	सिंह	17:27:44	शनि	09/05/2039
		16:55:23	कुंभ	केतु व	कुंभ	17:27:44		
		15:02:59	मक	हर्ष	मक	14:30:48		
		06:16:20	मक	नेप	मक	05:55:34		
		13:48:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:35:34		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	व्याघ्र	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

दूद न्वंकीलंल का वर्ग सर्प है तथा जंतं रवीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार दूद न्वंकीलंल और जंतं रवीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

दूद न्वंकीलंल मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

जंतं रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु जंतं रवीप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु दूंद न्वंकीलंल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

दूंद न्वंकीलंल तथा जंतं रवीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

